व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा आयोजित नेशनल वर्कशॉप एवं मेडिटेशन रिट्रीट

उद्घाटन सत्र दि. 10 सितंबर 2010 शाम 6 बजे स्थान: युनिवर्सल हॉरमनी हॉल, ज्ञान सरोवर

माउंट आबू। ब्रम्हाकुमारीज, राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा १० से १४ सितम्बर २०१० तक **आध्यात्मिक मूल्य एवं व्यापार में संतुलन की कला द्वारा सफलता** विषय पर आयोजित चार दिवसीय नेशनल वर्कशॉप एवं तथा मेडिटेशन रिट्रीट का उदघाटन कार्यक्रम ज्ञान सरोवर (माउण्ट आबू) के हारमनी हॉल में दिनांक १० सितम्बर २०१० को सफलातापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश के व्यापार एवं उद्योग जगत के ५०० से भी अधिक व्यापारी एवं उद्योगपतियों ने भाग लिया।

तारापुर परमाणु विद्युत घर देश को बहुत ही स्वच्छ, ग्रीन और सेफ विद्युत प्रदान करता है। परमाणु विद्युत घर बहुत ही सेनसेटिव और हाई टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण विद्युत घर है - उक्त उद्गार तारापुर एटॉमिक पावर स्टेशन 3 और 4 टी.एम.एस.के साईट डायरेक्टर आर.के.गर्गे ने उद्घाटन कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपने आप में युनिक है, कोई समानता ही नहीं है। हर परिस्थिति में हर व्यक्ति अपने अलग-अलग तरीके से व्यवहार करता है। जब हमने सोचा कि कर्मचारियों को भी नैतिक मूल्यों को जागृत करने हेतु ट्रेनिंग दिया जाय, जिससे वे विषम परिस्थितियों में भी लोगों से अच्छी तरह से व्यवहार कर सकें। तब हमारे सामने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का नाम सबसे ऊपर आया। यह एक ऐसी संस्था है जो हमारे इस कार्य में सहयोग दे सकती है और सहायता कर सकती है। और हमने तारापुर क्षेत्र में ही उनके प्रोग्राम चालू किये। हमने देखा कि इस प्रोग्राम से लोगों के व्यवहार में, उनकी सोच में बहुत परिवर्तन आया। हमारे अंदर जो क्रोध आता था वह अब बहुत कम हो गया है। इनके सहयोग से तो हमें इसका सीधा-सीधा फायदा मिल रहा है और मैं इस कार्य को आगे भी बढ़ाऊंगा। जिससे से हमारे खुद की प्रगति, देश की प्रगति, परिवार की प्रगति सार्थक हो सके।

लार्सन एण्ड टूबरो लिमिटेड के प्रेसीडेंट ऑपरेशन एण्ड बोर्ड मेंबर आर.एन.मुखिजा ने कहा कि हिंदुस्तान में जहां कहीं भी मैं गया तो मुझे आश्चर्य हुआ कि कैसे ये संस्था बाहर के लोगों को आकर्षित कर रही है। मूल बात तो यह है कि हम सब एक सिम्पल, पावरफूल और ऑनेस्ट सोल हैं और हमारा पिता परमात्मा सुप्रीम सोल है। ये सब कनेक्शन में मुझे ऐसा लगा कि इसमें कुछ खास चीज है।

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने कहा कि आज तक तो हम आर्टिफिसियल रूप से ही भाई-बहन कहते थे लेकिन जब से ज्ञान मिला तब हमें ये बात समझ में आयी कि हम एक परमपिता परमात्मा के संतान हैं।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हम आत्माओं के अंदर सत्यता के लिए प्रेम है। जब हमारे अंदर सत्यता है तो निर्भयता अपने-आप ही आ जाती है और हमारा मन शुभ भावनाओं-शुभकामनाओं से भरा होता है। आप सब लोग यहां आये हैं इससे सिद्ध होता है कि आप सभी को आध्यात्मिकता में रूचि है।

ज्ञानसरोवर की निदेशिका डॉ.निर्मला ने कहा कि हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों का होना बहुत ही जरूरी है। इस भ्रष्टाचार की दुनिया में नैतिक मूल्यों को पकड़कर बिजनेस करना बहुत मुश्किल है। मानव कभी-कभी दुविधा में पड़ जाता है कि गुस्सा करें या शांति से रहें, लोग इसका निर्णय ही नहीं कर पाते हैं। अगर हमें जीवन में ईमानदारी से चलना है तो इसमें आध्यात्मिकता हमारी बहुत मदद करेगी। इसके लिए हमें मेडिटेशन करने की आवश्यकता है। इससे हमारे अंदर निर्णय करने की शक्ति बढ़ती है।

बिजनेश एण्ड इंडस्ट्रीज विंग की नेशनल क्वाडिनेटर ब्र.कु.योगिनी ने कहा कि जीवन में सभी को चार बातों में सफलता चाहिए, सबसे पहले एक व्यक्तिगत सफलता, दूसरा कौटूम्बिक सफलता, तीसरा सामाजिक सफलता और चौथा व्यवासयिक सफलता।

मुम्बई के ब्र.कु.हरेश ने विंग के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया, जयपुर के उद्योगपति एवं बिजनेश एण्ड इंडस्ट्री विंग के नेशनल क्वाडिनेटर ब्र.कु.मदन लाल शर्मा ने अपने जीवन के अनुभवों को बताते हुए कहा कि कैसे उन्होंने इस ज्ञान के माध्यम से व्यवसाय में उन्नति की। व्यवसाय में आध्यात्मिकता और ईमानदारी के बैलेंस द्वारा ही हम एक सफल व्यवसायी बन सकते हैं।

ज्ञान सरोवर की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं बिजनेश एण्ड इंडस्ट्रीज विंग की हेडक्वाटर क्वाडिनेटर ब्र.कु.गीता ने कुशल मंच संचालन करते हुए कहा कि जब हम आध्यात्म के मूल सत्यों को सही रूप से नहीं जानते हैं तो आध्यात्मिकता, धार्मिकता और संप्रदायिकता में बदल जाती है। जो रूप आज हम देख रहे हैं और जब धार्मिकता और संप्रदायिकता में हम चले जाते हैं तो आध्यात्मिकता नैतिकता को जन्म नहीं दे पाती है। माना वो ज्ञान जीवन में गुणों में नहीं बदल पाता है और इसलिए हमारे आचारण में परिवर्तन नहीं आता है।

सभी अतिथियों का स्वागत बैज एवं फलों के गुच्छों से किया गया। विर्ले परले सेंटर की कुमारियों द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं स्वागत गीत ब्र.कु.सतीश एवं उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत किया गया।